ओम् शान्ति 15-8-12 मधुबन

''टीचर्स बहिनों की भट्ठी में दादी गुल्जार जी का क्लास तथा प्राण अव्यक्त बापदादा का मधुर सन्देश''

आज सवेरे-सवेरे आप सब कुमारियां की याद बाबा को दी, बाबा को बताया कि बाबा अभी छोटी कुमारियों की (टीचर्स की) भट्ठी चल रही है। तो बाबा ने कहा वाह कुमारियां वाह! बाबा को कुमारियां अति प्यारी हैं, क्यों? क्योंकि बाबा देखता है बच्चों का त्याग कितना है। संसार का त्याग तो करके आये, हिम्मत रखी है। अभी सिर्फ संस्कारों का त्याग करना है, उसके लिए तपस्या कर रहे हैं। तपस्या के लिए एकव्रता, एकनामी, एकाग्रवृत्ति वाला बनना है और तीन बातें विशेष धारण करनी पड़ेगी – 1- नि:स्वार्थ 2- निर्व्यर्थ 3- रहमदिल बनना ही है। बाबा के प्यार के आगे यह क्या बड़ी बात है। जब नि:स्वार्थ, निव्यर्थ और रहमदिल बनेंगे तो सफलता आपका जन्म सिद्ध अधिकार है ही। अगर कभी कोई विघ्न बनकर सामने आता भी है तो आप दृढ़ता के संकल्प द्वारा सफलता मूर्त बनने वाले हैं, साथ-साथ आपमें शुभ भावना, शुभ कामना के वायब्रेशन द्वारा परिवर्तन करने की शक्ति हैं। तो बताओ परिवर्तन की शक्ति यूज़ करती हो ना! बाबा ने कहा अब किसी को भी बीती बातों का वायब्रेशन नहीं देना है, सिर्फ प्यार की बातों का अनुभव कराना है। अगर कोई कमजोर संकल्प आयें तो अपनी शुभ वृत्ति, शुभ भावना, शुभ कामना द्वारा परिवर्तन कर देना। जब भी कोई बात आवे तो आप मेरे दिलतख्त पर बैठ जाना और सोचना कि यह क्या है और अब क्या करना है! तो बहुत सहज हो जायेगा। तो यह ग्रुप निर्विघ्न बनकर एक्जैम्पुल बनने वाला ग्रुप है क्योंकि सभी परमात्म प्यार और परमात्म ज्ञान द्वारा शक्तियां बन गई हैं। आपको कोई भी देखे तो उसे कुमारी रूप देखने में न आये, सभी शक्ति रूप का अनुभव करें। मास्टर सर्वशक्तिवान की सीट पर बैठ दिल से मेरा बाबा कहना तो सभी शक्तियों का आना शुरू हो जायेगा। शक्तियां तो बाबा ने आप सबको वर्से में दी हैं। यह आपका जन्म सिद्ध अधिकार हैं। इसी अधिकार से कोई भी शक्ति का आह्वानन करो तो शक्ति आ जायेगी। शक्ति समय पर आ गई तो विजय हो ही जायेगी। अगर कोई शक्ति समय पर नहीं आती है तो उसका कारण है कि उस शक्ति को आप बार बार यूज़ नहीं करते हो, अगर हर शक्ति को बार बार यूज़ करते रहो और सीट पर बैठकर आर्डर करो तो वह जरूर कहना मानेंगी। तो बाबा का फेथ है कि यह गुप विजयी अवश्य बनेगा। बोलो, बाबा के ऐसे उम्मींदवार बच्चे हो ना! बाबा का इस ग्रुप के ऊपर बहुत प्यार और उम्मीदें हैं। तो जरूर बाबा की उम्मीदें पूरा करेंगी ना! बड़े तो बड़े लेकिन छोटे सुभानअल्ला। तो बोलो, हम बाप समान बनकर ही दिखायेंगे क्योंकि बाप के प्यार के अनुभव के आगे कोई भी बात बड़ी नहीं है, और यह तो आपने कल्प-कल्प किया है, अभी भी करेंगे और बाबा के प्यार का रिटर्न अवश्य देंगे। (सभी ने हाथ उठाया) बाबा आप सबको देख रहा है, सभी ने कितना बड़ा हाथ उठाया है। तो सभी बाबा के आज्ञाकारी श्रीमत पर चलने वाले हैं ही।

आज इस ग्रुप के प्रति बाबा का विशेष उमंग-उत्साह देखा। तो बाबा के इस उमंग-उत्साह को आप जब प्रैक्टिकल करके दिखायेंगी तो आपकी बड़ी बहिनें भी आपको देखकर खुश हो जायेंगी और आपके साथ सभी बाबा को दिल ही दिल में प्यार करेंगी। अच्छा - ओम् शान्ति।